वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 269 | मंगलवार 24 जनवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आवासन मंडल का सिटी पार्क में बढ़ती भीड़ के लिए क्राउड मैनेजमेंट

मंडल करवाएगा वीटी रोड और अरावली रोड को जोड़ने वाली दो सड़कों का निर्माण

आमजन को मिल सकेगी भीड़ और अव्यवस्था से निजात

जयपुर. शाबाश इंडिया

सिटी पार्क में मध्यम मार्ग से आने वाली भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए आवासन मंडल वीटी रोड और अरावली रोड को जोड़ने वाली (मध्यम मार्ग के समानांतर) दो सड़कों का निर्माण करेगा। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने सोमवार को मंडल मुख्यालय पर सिटी पार्क एवं फाउंटेन स्क्वायर परियोजना की समीक्षा करते हुए बताया कि मानसरोवर स्थित सिटी पार्क जयपुर का लैंड मार्क बन गया है। प्रतिदिन हजारों की तादाद में लोग परिवार सहित सिटी पार्क आ रहे हैं। मध्यम मार्ग की ओर से आने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए फाउंटेन स्क्वायर के बाद 40 फीट की और मॉल के

लिए ऑक्शन किए गए भूखंड के बाद 80 फीट की सड़क का निर्माण करवाएगा। गौरतलब है कि मध्यममार्ग 80 फीट का ही है। अरोड़ा ने कहा कि दोनों सड़कों की शीघ्र निविदा जारी करने के भी निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि पार्क में अवांछित लोगों को की आवाजाही रोकने व सौंदर्यीकरण के लिए पार्क में जल्द ही न्यूनतम शुल्क के साथ टिकट व्यवस्था भी शुरू की जाएगी। इसके अलावा चिल्ड्रंस जिम के साथ आकर्षक सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी। इस दौरान पार्क की विभिन्न गतिविधियों शेष रही प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति, निविदाओं, इलेक्ट्रिक मेंटेनेंस सहित कई अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। अरोड़ा ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि लोगों को सुकून और हरियाली उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने सिटी पार्क आमजन को समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि पार्क आने वाले हर आगंतुक का यह दायित्व बनता है कि वह पार्क परिसर की किसी भी धरोहर को नुकसान ना पहुंचाए और न ही नुकसान पहुंचाने दे। पार्क का सौंदर्यीकरण व खूबसूरती बनी रहे यह मंडल ही नहीं आमजन की भी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मुख्य अभियंता प्रथम केसी मीणा, वित्तीय सलाहकार संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर, अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजय पूनिया, आवासीय अभियंता केके दीक्षित सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

विधानसभा में राज्यपाल का स्वागत

राज्यपाल ने विधानसभा में अभिभाषण दिया

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को पन्द्रहवीं राजस्थान विधानसभा के आठवें सत्र में अभिभाषण दिया। इससे पहले राज्यपाल मिश्र के सोमवार प्रातः 11.00 बजे विधानसभा पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल, मुख्य सचिव उषा शर्मा और विधानसभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा ने स्वागत किया। विधानसभा के मुख्य द्वार पर राज्यपाल मिश्र को आरएसी बटालियन द्वारा सलामी दी गई। राज्यपाल को अभिभाषण के लिए सदन में प्रोसेशन में ले जाया गया। राज्यपाल ने विधानसभा में संविधान की प्रस्तावना एवं मूल कर्तव्यों का वाचन भी किया।

गौर गोपाल दास बोले...

पैसा, धन, शोहरत बहुत जरूरी

कहा- सोशल मीडिया की वजह से यूथ हताश हो रहा है

जयपुर. कासं

मोटिवेशनल स्पीकर गौर गोपाल दास ने कहा कि हम जब आइसक्रीम खाते हैं, उसमें भी एक सीख है। आइसक्रीम हम पिघलने से पहले खा लेते हैं। ये सिखाता है हमें जिंदगी को पिघलने से पहले उसे एंजॉय करना है। दूसरी तरफ मोमबत्ती भी पिघलती है। वो खुद को पिघलाकर दूसरों की जिंदगी में रोशनी भरती है। हमें भी ऐसे ही दूसरों के लिए कुछ योगदान देना होगा। सिर्फ अपने बारे में सोचने से काम नहीं चलेगा। गौर गोपाल सोमवार को जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) में बोल रहे थे। गौर गोपाल दास ने कहा- पैसा, धन, शोहरत बहुत जरूरी है। यह सक्सेस का एक कॉम्पोनेंट है। इसके अलावा भी सक्सेस के कई कॉम्पोनेंट है। सोचिए यदि मैं मर जाऊं। अंतिम संस्कार हो रहा है। वहां कौन होगा यह कहने

वाला कि इनके 17 मिलियन फॉलोअर्स थे। बिलियन व्यूज हैं। कौन आगे शोहरत पूछने वाला है। लोग सिर्फ पूछेंगे, इंसान कैसा था। इसने अपना जीवन कैसे जिया। पैसे के पीछे पड़ते-पड़ते अपने पर्सनल रिश्ते, हमारी आध्यात्मिकता को मीडिएट नहीं करना चाहिए।

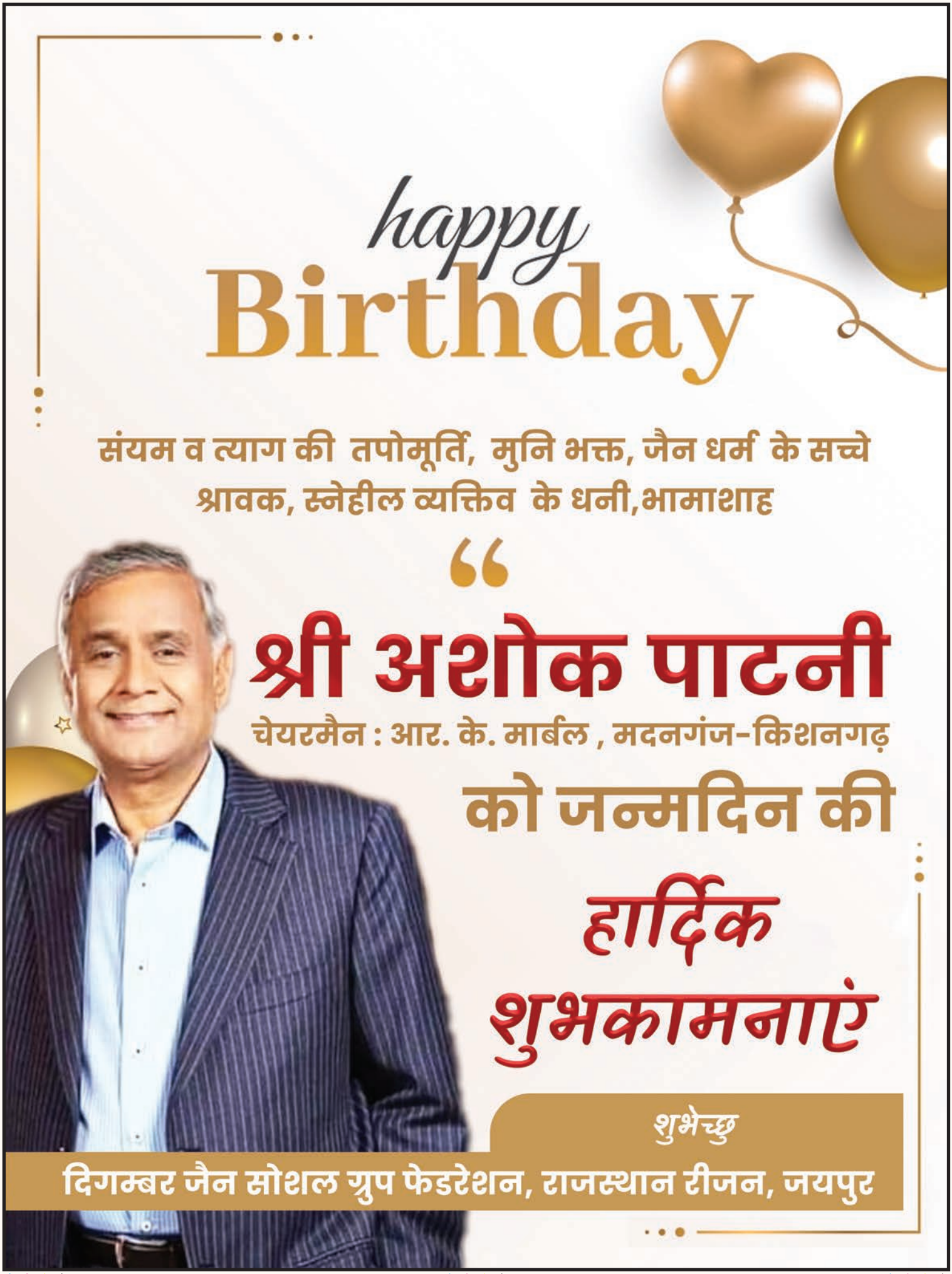
happy
Birthday
संयम व त्याग की तपोमूर्ति, मुनि भक्त, जैन धर्म के सच्चे
श्रावक, स्नेहील व्यक्तिव के धनी,भामाशाह
“
श्री अशोक पाटनी
चेयरमैन : आर. के. मार्बल , मदनगंज-किशनगढ़
को जन्मदिन की
हार्दिक
शुभकामनाएं
शुभेच्छु
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, राजस्थान रीजन, जयपुर

एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एण्ड प्रोफेशनल्स

राजस्थान ने दिए मुख्यमंत्री को बजट पूर्व टैक्स संबधी सुझाव

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा विभिन्न संगठनों से आमंत्रित बजट पूर्व सुझावों के क्रम में एसोसिएशन ऑफ टैक्स पेयर्स एंड प्रोफेशनल्स, जो कि एक राष्ट्रीय संस्था है, की राजस्थान प्रदेश इकाई द्वारा , राज्य कर से संबधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विनोद पाटनी एवम् प्रांतीय महा सचिव उमराव सिंह यादव ने बताया कि उनके एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री जी को वैट, स्टाम्प ड्यूटी तथा उद्योग को एमनेस्टी स्कीम 2021 तथा 2022 द्वारा दी जाने वाली छूटों को वर्ष 2023-24 के लिए चालू रखने, राजस्थान टैक्स बोर्ड में सदस्य की शीघ्र नियुक्तियों तथा नियुक्तियों में वकील कोटे से भी सदस्य बनाने, बोर्ड में कार्यरत अधिवक्ताओं की फीस जो कि वर्ष 2010 से नहीं बढ़ाई गई है, उस पर भी विचार करने का आग्रह किया। साथ ही एडवोकेट्स के लिए टैक्स सम्बंधी कार्यालयों में चैंबर, कान्फ्रेस हाल तथा लाइब्रेरी उपलब्ध कराने का निवेदन किया। साथ जीएसटी की जटिलताओं के सरलीकरण, आईटीसी की पुरानी मांगो के निस्तारण हेतु 5 लाख तक के मामलों में अंडरटेकिंग लेकर मांग खत्म करने का सुझाव दिया। जीएसटी ट्रिब्यूनल जल्दी स्थापित करने हेतु जीएसटी कौंसिल तथा केंद्र सरकार से सिफारिश कर शीघ्र स्थापित करवाने का भी आग्रह किया। अध्यक्ष एडवोकेट विनोद पाटनी तथा महा सचिव एडवोकेट उमराव सिंह यादव ने एसोसिएशन के लिए भूमि व भवन उपलब्ध कराने की मांग भी मुख्य मंत्री महोदय से की।

आत्मा से परमात्मा बनने का सुगम रास्ता है, शुभ-अशुभ का विचारः आचार्य सुनील सागर जी महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र मन्दिर संघीजी सांगानेर में तपस्वी सम्राट आचार्यश्री सन्मतिसागरजी महाराज के पट्टाधीष, चर्या चक्रवर्ती, राष्ट्रसंत, आचार्यश्री 108 सुनीलसागरजी महाराज चतुर्विध संघ के साथ विराजमान है। धर्मसभा में अपने मांगलिक प्रबोधन में आचार्यश्री ने कहा कि भावना पूर्वक भगवान की पूजा भक्ति करोगे तो आपके जीवन का उद्धार होगा। देव-शास्त्र-गुरू की अपने माता पिता की भाव भक्ति के साथ सेवा पूजा करो तो आपको पूर्ण समृद्धि का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपके जीवन में चमत्कार होगा। हर चीज जो मिलती है वह आंखों से देखी नही जा सकती, आशीर्वाद अदृश्य होता है लेकिन उसमें असीमित उर्जा विद्यमान रहती है। संसार में चार तरह के दान की महिमा बताते हुये आचार्यश्री ने कहा कि ज्ञानदान, आहारदान, अभयदान और औषधदान सभी दान उत्तरोतर महान है। भक्ति और भाव पूर्वक दिया हुआ दान ही शुद्ध दान होता है। अतः हमें दान भी अवश्य करना चाहिये। आचार्यश्री ने कहा कि मोह-द्वेष अशुभ होते है, लेकिन राग 2 तरह का होता है शुभ अशुभ । अशुभ राग के परिणामों से पाप होता है, और शुभ राग हमें भव के पार ले जाता है। अतः शुभ-अशुभ का सही दिशा में विचार कर कार्य करना ही हमें रागी-वीतरागी बनने की दिशा तय करता है। यह विचार ही हमें आत्मा से परमात्मा बनाने की क्षमता रखता है।

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी की एक दिवसीय यात्रा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा ग्रुप सदस्यों के लिए सर्द ऋतु मिलन कार्यक्रम एक दिवसीय भ्रमण के साथ आयोजित किया गया। ग्रुप अध्यक्ष महावीर सेठी ने बताया की ग्रुप सदस्यो ने दिनांक 22 जनवरी 2023 को प्रातः 7_30 बजे बस द्वारा प्रस्थान कर लूणवा अतिशय क्षेत्र के दर्शन किए व ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज के संयोजन में का 263 वा भक्तामर स्तोत्र पाठ का आयोजन किया गया। मंदिर जी हेतु ग्रुप की और से सुभाष शशि बज के सहयोग से एक बड़ी दीवार घड़ी भेंट की गई। लूणवा मंदिर में लंच की व्यवस्था सुनील बाकलीवाल ने संभालकर सभी को स्वादिष्ट भोजन करवाया । सभी नरायणा जैन मंदिर दर्शन करने के लिए रवाना हुए ग्रुप सचिव अरुण पाटनी ने बताया कि नरायणा मंदिर में अति प्राचीन चतुर्थ कालीन प्रतिमाओं के दर्शन कर सभी मंत्र मुग्ध हो गए। सभी ने जिनेन्द्र देव की खूब भक्ति की । नरायणा से रवाना होकर बगरू महला स्थित राधा रानी रिसोर्ट में ग्रुप का गेट टू गैदर सर्द मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां पर सभी ने आकर्षक गेम्स का आनंद लिया ।गेम्स के संयोजक नितिन पाटनी ने गेम्स के माध्यम से सदस्यो का खूब मनोरंजन किया । सभी के लिए रिसोर्ट में हाई टी व शाम के भोजन की व्यवस्था की गई । इस कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से संचालित करने में मुकेश कासलीवाल ,अरविंद पाटनी व शांति काला ने सभी सदस्यों के साथ भरपूर सहयोग किया । सभी ने दिनभर की सुनहरी यादों को मन में बसाकर रात्रि में 9 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान किया ।अरुण पाटनी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वरुण पथ जैन मंदिर में त्रिदिवसीय धर्म प्रभावना महोत्सव 27 से

आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ सानिध्य में होगा आयोजन

जयपुर. कासं। शहर के मानसरोवर स्थित वरुण पथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ सानिध्य में त्रिदिवसीय धर्म प्रभावना महोत्सव 27 जनवरी से 29 जनवरी 2023 तक का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में देशभर से श्रद्धालुगण श्रद्धा-भक्ति के साथ आचार्य श्री के सानिध्य का सौभाग्य प्राप्त करेगे। प्रचार संयोजक अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की त्रिदिवसीय महोत्सव का शुभारंभ 27 जनवरी को प्रातः 6.30 बजे श्रीजी के कलशाभिषेक और शांतिधारा के साथ होगा, प्रातः 8.15 बजे आचार्य सुनील सागर महाराज के मंगल प्रवचन, प्रातः 11.30 बजे नवीन जिन मंदिर एवं कार्यालय का शिलान्यास, दोपहर 2 बजे आचार्य सम्मति सागर महाराज विधान पूजन, सायं 6 बजे 108 दीपों से श्रीजी एवं गुरुदेव की महामंगल आरती एवं 48 दीपों के साथ भक्तामर मंडल दीप महार्चना का कार्यक्रम होगा। इसी तरह 28 जनवरी को मुख्य आयोजन दोपहर 1 बजे तृतीय पट्टाधीश आचार्य श्री सम्मति सागर जी महाराज का 84 वाँ जन्म जयंती महोत्सव एवं आचार्य सुनील सागर महाराज का भव्य पूजन, 13 पुण्यर्जक परिवारों द्वारा आचार्य सम्मति सागर महाराज के श्रमणोंत्सव पर 84 दीपकों से विशेष अर्चना, विद्वानों एवं संघ में विराजमान मुनिराजों व आर्यिका माताजी द्वारा विनयांजलि सभा का आयोजन होगा।

वेद ज्ञान

मैं से परिचित हों

सभी समस्याओं के समाधान के बाद देखना ही वास्तव में सही देखना होता है। दर्शन शब्द का साधारण अर्थ है देखना। इसका पारिभाषिक अर्थ तत्व विज्ञान है। सामान्य अर्थ ही पारिभाषिक अर्थ को स्पष्ट करता है और उसके यथार्थ स्वरूप को प्रकट करता है। मनुष्य ने देखने की शक्ति के साथ जन्म लिया है। जन्म के साथ ही मनुष्य के सामने एक बहुविध, विस्मयकारी वैचित्र्य से भरा हुआ जगत होता है। स्वभावतः मनुष्य की देखने की क्षमता का जितना विकास होता है उतना ही मनुष्य अनुभव करता है कि देखने में दृष्टव्य जगत के साथ मनुष्य का यथार्थ परिचय नहीं होता और मनुष्य यह अनुभव करता है कि वह देखना संपूर्ण नहीं है। पदार्थों की उत्पत्ति, स्थिति और विनाश का अक्षुण्ण क्रम देखते-देखते यह प्रश्न उठता है कि इस संपूर्ण क्रम का उद्गम स्थल और विलीनता का केंद्र कहां है? प्रत्येक पदार्थ का किसी न किसी कारण से उत्पन्न होने का स्वभाव देखकर असंख्य पदार्थों के समिष्ट स्वरूप समस्त जगत के कारण संबंध का निर्णय करके जब तक पदार्थों के स्वरूप की जानकारी नहीं हो जाती, तब तक बुद्धि इस तथ्य को स्वीकार नहीं करती कि यथार्थ बोध हो गया है। संपूर्ण दृश्यमान जगत का क्रम देखते-देखते उनके केंद्र में रहने वाले अद्भुत अखंड, नियमश्रृंखला की सत्ता हमारी दृष्टि को आकर्षित करती है। निर्माण एवं ध्वंस के मूल में भी एक ऐक्य, सामंजस्य स्पृहा जन्म लेती है। परमात्मा के उन सारे नियमों को और उनके अंतराल में विद्यमान, नियंत्रण करने वाली शक्ति को भली-भांति जान लिए बिना विकसित बुद्धि को इस बात का संतोष नहीं हो सकता कि संपूर्णता के साथ जगत को देख लिया है। इंद्रियों के विकार, मन के भाव और अवस्थाओं के परिवर्तन, ज्ञान की ह्रास-बुद्धि इन सबमें भी मनुष्य के मैं व मेरेपन का एकत्व नष्ट नहीं होता। यह मै कौन है? इस मैं का भलीभांति परिचय पाए बिना मनुष्य का स्वयं को देखना, देखना है। स्वंय के भीतर जिस ज्ञान की प्रेरणा, कर्म की प्रवृत्ति और भाव का मैं अनुभव करता हूं–ये सब भी कहां से आते हैं। मेरे अंदर श्रेय और प्रेय, उचित-अनुचित, न्याय-अन्याय, धर्म-अधर्म का एक भेद-बोध हमेशा विद्यमान है एवं बुद्धि विकास के साथ-साथ इस बोध का भी विकास होता रहता है। इस भेद का कोई आधार है या नहीं?

संपादकीय

अतीत को याद नहीं रख सकते....?

एक कथन अक्सर उद्धत किया जाता है- जो लोग अतीत को याद नहीं रख सकते, वे इसे दोहराने को अभिशप्त होते हैं। इस उद्धरण का श्रेय एडमंड बर्क, जार्ज सैंटायना और विंस्टन चर्चिल को दिया जाता है। इसी बात को कार्ल मार्क्स ने अधिक प्रभावशाली ढंग से कहा था, इतिहास खुद को दोहराता है, पहले एक त्रासदी के रूप में, फिर एक प्रहसन के रूप में। हाल के कुछ हफ्तों में जिन तीन संवैधानिक हस्तियों ने केंद्रीय मंच पर कब्जा जमाए रखा, वे हैं: जगदीप धनखड़, भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति, जन्म 1951; ओम बिरला, अध्यक्ष, लोकसभा, जन्म 1962; और किरेन रिजीजू, माननीय कानून और न्यायमंत्री, जिनका जन्म 1971 में हुआ था। पहले ने आपातकाल (1975-1977) के दिनों का अनुभव किया होगा, दूसरे ने इसके बारे में सुना और पढ़ा होगा, और तीसरे ने इसके इतिहास का अध्ययन किया होगा। 1967 में एक साधारण संपत्ति विवाद, गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य,

में सर्वोच्च न्यायालय ने (6:5 के बहुमत से) माना था कि भारत के संविधान के भाग-3 में निहित मौलिक अधिकारों को संसद द्वारा निरस्त या संक्षिप्त नहीं किया जा सकता है। केंद्रीय मुद्दा संपत्ति था, स्वतंत्रता नहीं। इसलिए यह बहस वैचारिक हो गई। केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973) के फैसले में ऐसा कुछ भी नहीं था, जिससे चिंता पैदा होनी चाहिए थी। केंद्रीय मुद्दा फिर से संपत्ति था। अदालत ने केरल भूमि सुधार अधिनियम को बरकरार रखा और याचिकाकर्ता मुकदमा हार गया। न्यायालय ने संविधान के मूल ढांचे को बचाने के लिए मौलिक अधिकारों सहित संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति को भी बरकरार रखा। न्यायालय ने बुनियादी ढांचे के जो कुछ उदाहरण दर्ज किए, वे विवाद से परे थे। कौन इस निष्कर्ष में दोष निकाल सकता है कि संघवाद, धर्मनिरपेक्षता और एक स्वतंत्र न्यायपालिका संविधान की बुनियादी विशेषताएं हैं? वाद-विवाद जारी रहा, लेकिन यह गोलकनाथ द्वारा छेड़े गए वाद-विवाद से कम वैचारिक था। 25 जून, 1975 को घोषित आपातकाल का तात्कालिक कारण संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति से असंबद्ध एक घटना थी। यह चुनाव न्यायाधिकरण द्वारा प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव की घोषणा थी। नानी पालकीवाला ने इंदिरा गांधी की ओर से मामले को स्वीकार कर लिया था और मुझे यकीन है कि वे सुप्रीम कोर्ट में एक नियमित अपील में फैसले को पलटने में सफल रहे होंगे। हालांकि, एक गंभीर अतिक्रमण में, संवैधानिक संशोधनों सहित कई कदम उठाए गए, जो भारत को एक सत्तावादी और दमनकारी राज्य में बदल देते। न्यायपालिका ही एकमात्र सहारा थी। सच कहा जाए तो न्यायपालिका ने लोगों को विफल कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में सबसे निचला बिंदु एडीएम जबलपुर मामला था। न्यायमूर्ति एचआर खन्ना अकेले संविधान में निहित स्वतंत्रता पर हमले के लिए खड़े हुए। उच्च न्यायालयों में, शुक्र है कि कुछ न्यायाधीश ऐसे थे, जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का पालन करने से इनकार कर दिया और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को बरकरार रखा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

कुछ भी कहो...

राज्यपाल पानी पूरी वाला, चप्पल मारो, कश्मीर के आतंकियों से किल कराओ, तमिल जैसी प्राचीन भाषा में ऐसे सुभाषित बरसते हैं। कुछ चैनल अनुवाद करके दिखाते हैं और हम दंग रह जाते हैं। इन दिनों कोई भी, किसी को भी, कुछ भी आल फाल बोल सकता है और फिर भी रोता रह सकता है कि उसकी आजादी और जनतंत्र खतरे में है! पहले गाली दो और खुद को खबर में लाओ। बदतमीजी का कुछ देर मजा लो, फिर माफी मांग लो... फिर गाली दे दो, खबर बनाओ और फिर माफी मांग लो, फिर गाली फिर माफी... नफरत का एक नया बाजार कई दिन तक खुला। एक दिन बिहार के एक नेता जी रामकथा को नफरत की जमीन कह कर अपनी ही नफरत व्यक्त करते रहे और अधिकांश खबर चैनलों में छाए रहे... रामकथा नफरत कथा है... कूड़ा करकट है... फिर इस नफरती आख्यान से होते नुकसान की भरपाई करने के लिए सहयोगी नेता कहते रहे कि रामायण हम सबकी आस्था का केंद्र है। लेकिन नफरत का धारावाहिक इतनी आसानी से कहां खत्म होता है? सो, तुरंत एक और नेता मानस की कुछ चौपाइयां उद्धृत करने लगे कि यह नफरत फैलाता है, यह कहता है कि नीच लोग पढ़-लिख कर जहरीला हो जाते हैं, ऐसे छंद नहीं होने चाहिए... मनुस्मृति, राम चरितमानस और बंच आफ थाट्स नफरत की किताबें हैं... बहरहाल, भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक की खबर ने उक्त नफरती खबरों को पीछे कर दिया और चैनल पीएम के रोड शो को लाइव दिखाने लगे। रोड शो को देख भारत जोड़ो यात्रा के एक व्याख्याता कहने लगे कि भारत जोड़ो यात्रा से घबरा कर रोड शो करना पड़ रहा है... अरे सर जी, इतना ही क्यों, हम तो यह तक मानते हैं कि इस यात्रा से घबरा कर ही दिल्ली में शीतलहर आई होगी और सूरज ने भी देर से निकलना शुरू किया होगा! हाय आत्मरति तू भी कितनी प्यारी है कि जिधर देखता हूं, खुद को ही देखता हूं! फिर एक चैनल पर एक नोबेलवादी लाइन बोली कि मैडम जी, संभालें कमान... हाय! ऐसे में हमारे यात्री जी क्या करेंगे? फिर एक शाम कई चैनल कालेजियम बरक्स सरकार की बहस में व्यस्त रहे। एक पक्ष कहिन कि कालेजियम प्रणाली व्यर्थ है, दूसरे कहिन कि कालेजियम में सरकारी प्रतिनिधि को घुसेड़ना खतरनाक है! फिर एक सार्वजनिक प्रवक्ता गुस्से में बोला कि अपनी न्याय-व्यवस्था बर्बाद है... सत्तर हजार मुकदमे तो सुप्रीम कोर्ट में ही लंबित हैं, चार करोड़ निचली अदालतों में लंबित हैं... यानी तारीख पे तारीख की संस्कृति है... फिर एक ज्ञानी बोलिन कि न्याय-व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन चाहिए (जो कभी होने का नहीं)! फिर एक शाम पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने जो कुछ कहा, उसे सुन कर तो हमारा उदार दिल भी बिलबिलाने लगा। वे बोले कि हम हिंदुस्तान से तीन जंगें हार चुके हैं... हर बार नीचे गए हैं... हमने सबक लिए हैं... 2024 में मोदी ही जीतेंगे... हम शांति से जीना चाहते हैं... इस मुद्दे पर जो चर्चाएं आईं, उनमें कुछ पाक प्रवक्ता भी रहे। कई शरीफ की लाइन से सहमत दिखते, लेकिन कई असहमत भी दिखते, लेकिन अपने प्रवक्ता पर्याप्त वाचाल न दिखे। बहरहाल, एक दिन फिर राहुल भैया ने संघ पर कृपा की कि वे संघ के दफ्तर जा नहीं सकते (इसके लिए) गला काटना पड़ेगा। एक समय वरुण ने उस विचारधरा को अपनाया, वे वरुण को गले लगा सकते हैं, लेकिन उनकी विचारधारा को नहीं।

मुरेना ज्ञानतीर्थ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 1 फरवरी से

पुष्पक विमान से होगी पुष्प वर्षा

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर पर होने जा रहे 06 दिवसीय श्री पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महोत्सव समिति के मुख्य संयोजक योगेश जैन (खतौली बाले) सूर्यनगर दिल्ली ने जानकारी देते हुए बताया कि परम पूज्य सराकोद्धारक समाधिस्थ आचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के पावन आशीर्वाद एवं प्रेरणा से मुरेना नगर के नजदीक ए.बी.रोड (धौलपर-आगरा) हाइवे पर एक विशाल एवं भव्य जैन तीर्थ का नव निर्माण किया गया है ।इस भव्य जैन मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हेतु छः दिवसीय श्री आदिनाथ मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं विश्व शांति महायज्ञ महोत्सव का आयोजन 01 फरवरी से 06 फरवरी तक होने जा रहा है । प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के साथ निर्विघ्न एवं सानन्द सम्पन्न कराने के पावन उद्देश्य के साथ पूज्य षष्ट पट्टाचार्य श्री ज्ञानसागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज एवं पंचम पट्टाचार्य विद्याभूषण सन्मतिसागर जी महाराज की परम प्रभावक शिष्या स्वस्तिधाम प्रणेत्री गुरुमां गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का मंगल आगमन ज्ञानतीर्थ क्षेत्र पर हो चुका है । अतिशीघ्र ही आचार्य श्री विनीतसागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका लक्ष्मीभूषण माताजी, सृष्टिभूषण माताजी, आर्षमति माताजी सहित लगभग 50 साधु-साध्वियों का आगमन ज्ञानतीर्थ पर होने जा रहा है ।श्री पंचकल्याणक महोत्सव की समस्त धार्मिक क्रियाएं एवं अनुष्ठान प्रतिष्ठाचार्य बाल ब्रह्मचारी जयकुमार ''निशांत'' टीकमगढ़ एवं ब्र. नितिन जैन भैयाजी खुरई के निर्देशन में सम्पन्न होंगी। श्री जिनविम्ब प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का मुख्य आयोजन छः दिवसीय होगा। प्रथम दिवस 01 फरवरी को ध्वजारोहण के साथ घटयात्रा का विशाल एवं भव्य चल समारोह निकलेगा ।02 फरवरी को गर्भ कल्याणक की क्रियाएं होगी । 03 फरवरी को जन्म कल्याणक के दिन आदिकुमार का जन्म होगा। जन्माभिषेक के अवसर पर सौधर्म इंद्र बालक आदिकुमार को जलाभिषेक के लिए पांडुक शिला पर ले जाएंगे। पांडुक शिला पर 1008 कलशों से इन्द्रों द्वारा कलशाभिषेक किया जाएगा।बालक आदिकुमार के विशाल एवं भव्य जुलूस में पुष्पक विमान से पुष्प वर्षा होगी साथ ही हाथी, घोड़े, बग्घी, चार रथ, ढोल, तांसे सहित आगरा, ग्वालियर, धौलपुर, मुरेना के 5 बैंड रहेंगे ।04 फरवरी को तप कल्याणक के वाद रात्रि को मनोज शर्मा एन्ड पार्टी दिल्ली द्वारा नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया जाएगा । 05 फरवरी को ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं होंगी । रात्रि को सुप्रसिद्ध भजन गायक रूपेश जैन एन्ड पार्टी का कार्यक्रम होगा । अंतिम दिन 06 फरवरी को आदिकुमार को मोक्ष प्राप्त होगा। इस विशाल एवं भव्य आयोजन में मूलनायक भगवान आदिनाथ सहित लगभग 24 मूर्तियों एवं त्रिकाल चौबीसी के चरण चिन्हों की प्राण प्रतिष्ठा होगी आयोजन में सम्पूर्ण भारतवर्ष से लाखों की संख्या में गुरुभक्तों के सम्मिलित होने की संभावना है । इसी बात को मद्देनजर रखते हुए बड़े जोरशोर से तैयारियां प्रारंभ करदी गई हैं । आगन्तुक साधर्मी बन्धुओं के आवास हेतु शहर की तमाम धर्मशालाएं और होटलों को आरक्षित करा लिया गया है। आवास सहित सभी के नास्ता भोजनादि की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन स्थल श्री ज्ञानतीर्थ क्षेत्र जैन मंदिर को अयोध्या नगरी का नाम दिया गया है। अयोध्या नगरी को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। आयोजन स्थल पर महावीरा टेंट्स इंडिया प्रा. लिमिटेड दिल्ली द्वारा निर्मित जर्मन हैंगर 125300 फीट का विशाल पांडाल एवं 80.100 फीट की भव्य मंच तैयार की जा रही है । आने बाले अथितियों के लिए 100.150 फीट की अस्थाई भोजन शाला बनाई जा रही है। भोजन तैयार करने के लिए दिल्ली से कैटर्स की टीम आ रही है। आयोजन स्थल पर अस्थाई दुकानों को सजाकर बाजार का रूप दिया जा रहा है। प्रचार प्रसार संयोजक मनोज नायक मुरेना द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मुरेना नगर में इस तरह का भव्य आयोजन पहिलीवार होने जा रहा है जिसमें जर्मन हैंगर की पंडाल बनाई जा रही है । इस ऐतिहासिक आयोजन में सम्पूर्ण भारतवर्ष से 50 हजार से अधिक गुरुभक्त साधर्मी बन्धुओं के सम्मिलित होने की संभावना जताई जा रही है। इसी हिसाब से आयोजन समिति सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। उक्त महोत्सव के प्रचार प्रसार हेतु ज्ञानतीर्थ पर विराजमान ब्रह्मचारिणी बहिन अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी विभन्न शैलियों में जाकर लोगों को प्रेरित कर रहीं हैं। युवा कार्यकर्ताओं की टीम विभिन्न शैलियों में घर घर जाकर साधर्मी बन्धुओं को जन्माभिषेक कलश वितरित कर रहीं हैं एवं कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित होने बावत आमंत्रित कर रही है। आयोजन समिति के मुख्य संयोजक योगेश जैन (खतौली वाले), आनन्द जैन (खैकड़ा वाले), सतीश जैन (प्रीति होजरी), राकेश जैन आजाद नगर, जिनेन्द्र जैन गांधी नगर, आशीष जैन विकासनगर, राजेश जैन (हलुआ वाले), महेशचंद ठेकेदार एवं अन्य गुरुभक्तों के साथ सभी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं ।

महावीर इंटरनेशनल द्वारा निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

बारां. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल दिल्ली व जयपुर संभाग के तत्वावधान में ग्राम पंचायत भवन बटावदा जिला बारां मे निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ जांच शिविर का आयोजन दिनांक 23/01/23 को राइट्स लिमिटेड गुड़गांव के सौजन्य से आयोजित किया गया । म.ई.जयपुर संभाग के जोन चेयरमैन वीर राजेन्द्र जैन ताथेडिया ने बताया की मेडिकल कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श दिया गया। कैंप में शुगर व बी पी की भी जांच की गई ।शिविर मे नजर के 97 चश्मे मरीजों को निशुल्क दिए गए ।शिविर का 597 रोगियों ने लाभ उठाया ।

रा उ प्रा विद्यालय ठीकरिया में वार्षिकोत्सव उत्साह के साथ सम्पन्न

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

राज्य सरकार व शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ठीकरिया में वार्षिकोत्सव मनाया गया। शिक्षक संजय कुमार जैन ने बताया कि विभाग के निदेर्शानुसार विद्यालय में वार्षिकोत्सव मनाया गया विद्यालय के कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया, बच्चों ने अपनी रोचक प्रस्तुतियां दी, जिसमें, राजस्थानी प्रेरक गीतों व देश भक्ति गीतों पर नृत्य, गीत, कविता , विचार आदि प्रस्तुत किये। अभिभावकों ने भी छात्रों की गतिविधियों को सराहा। बच्चों को कक्षा वार उनकी शिक्षा, स्वच्छता, दैनिक उपस्थिति, अनुशासन, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि के आधार पर 40 बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

जीवन में-यूं ही कुछ नहीं होता...

कोई ना कोई वजह तो जरूर होती है : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

आज के जीवन की सबसे बड़ी सफलता है हमारा दृष्टिकोण। हमारा मस्तिष्क शरीर रूपी मन्दिर का उत्तुंग कलश है। कलश की सुरक्षा करना ही शरीर का धर्म है। हमारा मस्तिष्क उस तरह से प्रतिक्रिया देता है जैसा आप सोचते और देखते हैं। ऐसे में मानसिक रूप से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। आप शारीरिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहें उसके लिए कुछ बातें :-

(1) दिन के रूटीन में सुधार लायें - जो लोग समय से उठते-सोते हैं, खाते-पीते हैं, और नियमित रूप से एक्सरसाइज करते हैं, वे शारीरिक और मानसिक रूप से ज्यादा स्वस्थ रहते हैं। 6-8 घन्टे बिना नीद की गोली खायें, विश्राम करें। क्योंकि नींद की कमी हमारे मस्तिष्क और शरीर को अस्वस्थ कर देती है।

(2) खुद को खुद स्वीकार करें - आप जैसे हैं, वैसे अपने आपको स्वीकार करें। किसी के बनने जैसी नकल, आपका

जीना हराम कर सकती है। स्वयं से प्रेम करें, स्वयं को बेहतर बनाने का रोज प्रयास करें। जीवन के निर्णय सोच समझ कर लें और दूसरों को खुश करने की कोशिश कभी ना करें।

(3) आत्म विश्वास सबसे बड़ी सफलता है- ये सच है कि जिन्दगी सुख दुःख का मिश्रण है। ऐसा कोई पुरुष और महापुरुष नहीं हुआ, जिसके जीवन में कोई दुःख तकलीफ ना आई हो। सबका समय एक सा नहीं रहता - प्रेम में धोखा, व्यापार में असफलता, अर्थ की तंगी, रिश्तों का टूटना आदि इतनी बड़ी बात नहीं है कि हम ज़िन्दगी से ही मुख मोड़ लें।

(4) ऊंची सोच और दूर दृष्टि - सब कुछ वही है सिर्फ सोच और दृष्टिकोण बदलने की जरूरत है। हमारी सोच और नजरिया ही हमारे जीवन की गुणवत्ता का निर्धारण करती है। इसलिए कुछ भी ऐसा साहित्य पढ़ें जो आपको प्रोत्साहित करे, विचारों को प्रभावित और चेतना को प्रकाशित करे। जितना समय आप साहित्य, सकारात्मक सोच के माहोल में गुजारेंगे, उतना ही सेहत के लिये बेहतर होगा।

(5) चेहरा आदमी का और जीवन भेड़िया का जी रहे हैं -- आपकी भावनाएं ही मनुष्य होने की निशानी है। इनका सन्तुलन होना बहुत जरूरी है। असन्तुलित भावनायें सिर्फ सम्बन्धों को खराब नहीं करती बल्कि आपके जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। इसलिए आप अपने मन की बात को दर्पण के सामने शेयर करें या रोज की डायरी पर उकेरे, जिससे मन की शान्ति बरकरार रहे।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद ।

॥ श्री ऋषभदेवाय नमः॥ ॥ श्री संभवनाथाय नमः॥ ॥ श्री शान्तिनाथाय नमः॥

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, मोती कटरा, आगरा में

श्री १००८ चतुर्विंशति तीर्थंकर दिगम्बर जिनबिम्ब प्रतिष्ठा महोत्सव

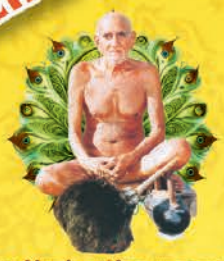

प.पू. निमित्तज्ञानी, सन्मार्ग दिवाकर, वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज

मूलनायक देवाधिदेव श्री 1008 संभवनाथ भगवान

प.पू. प्रशान्तमूर्ति, मर्यादा शिष्योत्तम आचार्य श्री 108 भरतसागर जी महाराज

प.पू. निमित्तज्ञानी, सन्मार्ग दिवाकर, वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य

प.पू. सर्वांगभूषण आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी महाराज (ससंघ) के सानिध्य में

आत्मीय आमंत्रण

रविवार दिनांक 29 जनवरी 2023 से गुरुवार दिनांक 2 फरवरी 2023

आंतरिक क्रिया आदर्श पंचकल्याणक

प्रतिष्ठाचार्य :
श्री आनंदप्रकाश जी शास्त्री
कोलकाता

संगीतकार :
सुनील जैन एण्ड पार्टी
कोलारस

प.पू. आर्यिकाश्री 105 शाश्वत श्री माताजी

प.पू. सर्वांगभूषण आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी महाराज

प.पू. आर्यिकाश्री 105 स्वात्म श्री माताजी

पू. क्षुल्लिका श्री 105 पुरुषार्थ श्री माताजी

मांगलिक कार्यक्रम

सम्यक्त्व गुण महिमा मंडित महानुभाव,
सादर जय जिनेन्द्र। आपको बताते हुए परम हर्ष हो रहा है कि आगरा के ऐतिहासिक प्राचीन श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर मोती कटरा, आगरा में लगभग 50 वर्षों में प्रथम बार प.पू. निमित्तज्ञानी, सन्मार्ग दिवाकर, वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमलसागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य प.पू. सर्वांगभूषण आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी महाराज (ससंघ) के सानिध्य में नयी वेदियों का निर्माण किया गया है। जिसमें चौबीस नयी जिन प्रतिमाओं के साथ अन्य प्रतिमा विराजमान की जायेंगी। इस पावन अवसर पर श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन दिनांक 29 जनवरी 2023 से 2 फरवरी 2023 तक किया जा रहा है। इस शुभ अनुष्ठान में भाग लेकर अपनी सर्वांगीण उन्नति का शिलान्यास करें एवं कार्यक्रमानुसार अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अतिशय पुण्यार्जन करें।

गर्भ कल्याणक

29 जनवरी 2023

प्रातः 7:00 बजे देवाज्ञा, गुरुआज्ञा जाप्य, प्रतिष्ठाचार्य निमंत्रण
7:30 बजे से मंगल ध्वजारोहण
8:00 बजे मंगल घटयात्रा
9:30 बजे वेदी शुद्धि, मंडप शुद्धि
दोपहर 1 बजे से सकलीकरण इन्द्रप्रतिष्ठा, मण्डप प्रतिष्ठा, अभिषेक, महायाग मण्डलाराधना शांति होम माता की गोद भराई।
सायं 7:00 बजे से मंगल आरती, प्रवचन, गर्भ कल्याणक सांस्कृतिक कार्यक्रम
रात्रि 10:00 बजे से गर्भ कल्याणक संस्कार, आंतरिक क्रियायें

जन्म कल्याणक

30 जनवरी 2023

प्रातः 6:30 बजे जाप, नित्याभिषेक-पूजन, शांति नवग्रह हवन
7:30 बजे भगवान का जन्म, सौधर्म इन्द्र आसन कम्पायमान जिन जन्मोत्सव, पुत्री कलशाभिषेक, स्वर्ण सौभाग्यवती द्वारा जिनमूर्ति का प्रक्षालविधि, आकाशस्तुति
9:00 बजे आचार्यश्री का प्रवचन
9:30 बजे जन्माभिषेक जुलूस, पांडुकशिला पर भगवान का अभिषेक
दोपहर 1 बजे वेदी शुद्धि संस्कार चतुर्दिकुमार, वास्तुविधान
दोपहर 2 बजे से जिनबालक का शृंगार, दिव्य वस्त्राभूषण, कर्णभेदन, नामकरण, अंगूठे में अमृत की स्थापना, आचार्यश्री प्रवचन
सायं 7:00 बजे आरती, प्रवचन पालना - झूलनोत्सव

जन्माभिषेक

30 जनवरी 2023
प्रातः 9.30 बजे से

जन्माभिषेक जुलूस, तार गली मंदिर जायेगा एवं वहीं पाण्डुक शिला पर अभिषेक सम्पन्न होगा।
जन्माभिषेक व्यवस्था -
श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति,
तार की गली, मोती कटरा,आगरा

तप कल्याणक

प्रातः 6:30 बजे जाप, नित्याभिषेक-पूजन, जन्म कल्याणक पूजा, नवग्रह शांति होम
8:30 बजे बाल क्रीड़ा
9:00 बजे आचार्यश्री का प्रवचन, आहारचर्या
दोपहर 1 बजे राज दरबार, राज्याभिषेक, राजतिलक, नीलांजना नृत्य, वैराग्य, लौकांतिक देवों का आना, पालकी, दीक्षा संस्कार
सायं 7:00 बजे आरती, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम

ज्ञान कल्याणक

प्रातः 6:30 बजे नित्याभिषेक-पूजन, तप कल्याणक पूजा, शांति हवन
8:30 बजे आचार्य श्री का प्रवचन
9:30 बजे भगवान की आहारचर्या
दोपहर 1 बजे तप संस्कार, मंत्रन्यास, प्रतिष्ठा हवन, अधिवासना, नेत्रोन्मीलन, पुण्याशेपण, सूरिमंत्र, प्राण प्रतिष्ठा, केवलज्ञान, समवशरण, दिव्यध्वनि, शंका समाधान
सायं 7:00 बजे आरती, प्रवचन, सांस्कृतिक कार्यक्रम

मोक्ष कल्याणक

प्रातः 6:00 बजे नित्याभिषेक-पूजन, केवलज्ञान, कल्याणक पूजा
7:00 बजे कैलाश पर्वत से भगवान का मोक्षगमन, गुणारोपण, अग्नि कुमार इन्द्र द्वारा अग्नि संस्कार, निर्वाणलाडू, यागपूजा
8:00 बजे आचार्य श्री का प्रवचन
9:00 बजे विश्वशांति हवन, पूर्णाहुति, ध्वज अवरोहण, पुण्याहवाचन, शांतिपाठ-विसर्जन
10:00 बजे भगवान का वेदी में विराजमान वेदी पर कलशारोहण आदि

प्रतिष्ठा के प्रमुख पात्र

माता-पिता

पदमचन्द जैन-प्रेमलता जैन

सौधर्म इन्द्र

अनिलकुमार जैन- शशि जैन (चन्द्रा कॉपी)

धनपति कुबेर

विकास जैन- सोनम जैन

यज्ञनायक

ओमप्रकाश जैन- लक्ष्मीजैन

ईशान इन्द्र

वीरेन्द्र जैन- वीना जैन

ध्वजारोहणकर्ता

विष्णु कुमार जैन (कागज वाले) सपरिवार

पंचकल्याणक मुख्य संयोजक	संयोजक	उप संयोजक	अर्थसंयोजक	मंदिर अध्यक्ष	मंदिर मंत्री	कोषाध्यक्ष
राकेश कुमार जैन (पर्दे वाले)	विवेक जैन (कागज वाले)	अजित प्रसाद जैन	अनन्त जैन (कागज वाले)	सत्य प्रकाश जैन	अनिल कुमार जैन (चन्द्रा कॉपी)	राजीव जैन

पंचकल्याणक सहयोगी : विजय जैन (घी वाले), वीरेंद्र जैन, दीपक जैन, विकास जैन, संजीव जैन, हुकुम जैन, अमित जैन (शीतल फाउंडेशन), अम्बरीष कुमार, मनोज (चैनवाले), पवन जैन (चांदी वाले), सुरेश चंद जैन (तार वाले) नीरज जैन, अनूप जैन, सुनील जैन (मैदा वाले), चिम्मनलाल जैन, अशोक कुमार जैन (संतावास), विष्णु भगवान जैन, वरिंजय जैन, नवीन जैन (घी वाले), राजीव जैन (टोपी वाले), दीपक जैन (मसाले वाले), सुनील जैन (पंडित जी)

आयोजक एवं निवेदक : श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, मोती कटरा, आगरा

सहयोगी संस्थायें : आगरा दिगम्बर जैन परिषद्, श्री अग्रवाल दिगम्बर जैन महासभा, मोती कटरा महिला मण्डल, सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

नोट : १. पंचकल्याणक पूजा विधान में जो भी बैठना चाहे वह विधान में बैठ सकते हैं। २. विधान में बैठने वालों के लिये शुद्ध भोजन की व्यवस्था है। ३. दिनांक २९ जनवरी को कार्यक्रम के उपरान्त आयोजित प्रीतिभोज में आप सादर आमंत्रित हैं।

प्रभावना रथ का इंदौर नगर में आगमन

राजेश जैन ददू. शाबाश इंडिया

इदौर। विरागोत्सव पंचकल्याणक महामहोत्सव विश्व के इतिहास में प्रथम बार एक साथ 80 पंचकल्याणक, एवं यती, सम्मेलन युग प्रतिक्रमण महामस्तकाभिषेक गजरथ महोत्सव दिनांक 1 से 15 फरवरी 2023 पथरिया जिला दमोह मध्य प्रदेश आशीर्वाद परम पूज्य उपसर्ग विजेता राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महामुनिराज आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित होने जा रहा है । जिसका प्रभावना रथ पूरे इंदौर में भ्रमण कर रहा है। इसके अंतर्गत आज इंदौर नगर के छत्रपति नगर दिगबर जैन मन्दिर से अग्रसेन नगर, गौरव नगर, महावीर बाग कालोनी में भ्रमण कर धर्म प्रभावना की और कालोनी निवासियो ने अपने अपने घरों पर रथ का स्वागत किया। इस अवसर पर दिगबर जैन समाज सामाजिक संसद के मंत्री डॉक्टर जैनेन्द्र जैन, कैलाश जैन नेताजी, राजेश जैन ददू.दिलीप जैन, सचिन जैन, राकेशगोधा पकज जैन, आदि ने प्रभावना रथ के साथ धर्म प्रभावना की।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्रीश्री राधा गोवर्धनधारी मंदिर उपवन का शिलान्यास.....

देवकीनंदन प्रभु भक्ति आश्रय वैष्णव भक्ति प्रचार परिव्राजक महाराज ने शिला रखी, मंदिर मॉडल का रिमोट दबाकर उद्घाटन किया

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ इस्कॉन द्वारा मोहनपुरा ग्राम चीरवा में श्री श्री राधा गोवर्धनधारी मंदिर उपवन का शिलान्यास रविवार सुबह विधि विधान से हुआ। इस अवसर पर मुंबई के नीलांबर प्रभु एवं भीलवाड़ा के पंकज लोचन प्रभु के नेतृत्व में तथा वृंदावन के भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी जोनल सुपरवाइजर भक्ति प्रचार परिव्राजक स्वामी रीजनल सेक्रेटरी मुंबई से मौजूद थे। इस्कॉन जूरी सदस्य जोनल सेक्रेटरी देवकीनंदन प्रभु के सान्निध्य में मदन गोविंद प्रभु, वृहद प्रभु, अजय गौरांग प्रभु, मायापुर धाम प्रभु, रवि बर्मन प्रभु सहित 1 दर्जन से अधिक सपत्नीक जोड़ों ने महायज्ञ में आहुतियां दी। मुंबई के पंडित नीलांजन प्रभु ने प्रजापति अग्नि देवता चारों वेदों के प्रथम श्लोक वास्तु मंत्रों भगवान नारायण विष्णु नर्सिंग का आह्वान कर आहुतियां दिलवाई। अंत में मंगलाचरण कर पूणार्हुति की इसके पश्चात शुभ घड़ी मुहूर्त में देवकीनंदन प्रभु भक्ति आश्रय वैष्णव महाराज भक्ति प्रचार परिव्राजक महाराज ने मंदिर नींव में सर्वप्रथम शिला रखी। मंदिर डाइरेक्टर मदन गोविंद ने बताया कि उसके बाद उपस्थित अनेक गणमान्य महानुभावों ने एक-एक कर नींव में शिला रखी। वृंदावन के भक्ति प्रचारक परिव्राजक महाराज ने बताया कि राधा गिरधारी मंदिर के स्थान पर सर्वसम्मति से श्री श्री राधा गोवर्धनधारी मंदिर उपवन नाम परिवर्तन किया गया। मंदिर प्रबंधक मायापुरवासी ने बताया कि मुंबई के देवकीनंदन प्रभु ने आशीर्वचन ने कहा कि लोगों में सुख नहीं शांति की स्थापना कराना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में जितने जिले हैं सभी में इस्कॉन मंदिर बनेंगे। मंदिर बनने के बाद यह पहाड़ी आकर्षण का केंद्र होगी। भगवान गोवर्धन धारी यहां आने के बाद सभी उदयपुर वासियों को रक्षा करेंगे। बाद में मनीषा नाति के नेतृत्व में इस्कॉन भक्तों की 11 बालिकाओं ने शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुतियों से समा बांध दिया। इस दौरान मंच पर उपस्थित प्रमुख अतिथि डॉ. अजय मुर्डिया, गोविन्द अग्रवाल, श्याम रावत, रमेश सिंघवी, उप चेयरमैन सुतीन्द्र महाजन, धर्मनायायण जोशी, चेयरमैन रवि बर्मन आर्किटेक्ट सुनिल लढ्ढा आदि गणमान्य नागरिकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समूचे कार्यक्रम का संचालन प्रोजेक्ट डाइरेक्टर मदन गोविंद प्रभु ने किया।

रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर द्वारा दिव्यांगजनों को कम्बल वितरित किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर के तत्वावधान में इन्जी राजीव जैन व उनकी ध.प.श्रीमती सविता जैन, पुत्र इन्जी अनुज जैन व ध.प.श्रीमती सुंगधा व पुत्र मास्टर अयंन्स जैन ने दिव्यांगो को कम्बल वितरित किये। उल्लेखनीय है कि राजीव जैन अडानी गुर्प के राज्य स्तरीय प्रभारी वाईस प्रेसिडेंट है । मंत्री वीर इंजिनियर पी सी छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम में अध्यक्ष वीर सुभाष गोलेछा, उपाध्यक्ष वीर नरेन्द्र कुमार सेठी, वीर संतोष, कोषाध्यक्ष वीर अनिल उपस्थित रहे। महावीर इंटरनेशनल एसोसिएशन जयपुर ने सभी दातारो का स्वागत किया अभिनंदन व अभिवादन किया तथा आभार प्रगट किया ।

चेहरे के मनोभावों के प्रभाव को कैमरे के माध्यम से बखूबी उकेरा प्रवीण भाई ने

राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) के उपलक्ष्य में शाबाश इंडिया के लिए ख़ास चित्र
फोटो - महेश आमेटा (गादोली)

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गुजरात राज्य ललित कला अकादमी के सहयोग से लगाई तीन दिवसीय ब्लैक एंड व्हाइट पोर्ट्रेट एग्जीबिशन का समापन सोमवार को हुआ। गौरतलब है कि मूलत पालनपुर (गुजरात) के छायाकार प्रवीण चौधरी के 40 से अधिक बेहतरीन श्वेत श्याम छायाचित्रों में गुजराती ग्रामीण परिवेश के स्त्री पुरुष और बच्चों की मुख मुद्राएं लेकसिटी की टखमण कला दीर्घा में आमजन के आकर्षण का केंद्र रहीं। बता दें, कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित प्रवीण चौधरी इससे पूर्व 2017 से अब तक कई सोलो और ग्रुप शो कर चुके हैं। इससे पूर्व इस प्रदर्शनी का उद्घाटन वरिष्ठ कलाकर एल एल वर्मा ने किया। इस अवसर पर रघुनाथ शर्मा, संदीप पालीवाल, चित्रसेन, हेमंत मेहता, प्रवीण भटनागर सहित अन्य कई कलाप्रेमी उपस्थित थे।

फोटो/रिपोर्ट राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

फोटोग्राफर: प्रवीण भाई चौधरी

पालनपुर (गुजरात) के फोटोग्राफर के चालीस श्वेत श्याम छायाचित्रों की प्रदर्शनी संपन्न...

आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में...

मदनगंज किशनगढ़ में चल रहे भव्य श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक महोत्सव में आज दूसरे रोज गर्भ उत्तरार्द्ध पर हुए अनेक कार्यक्रम

मदनगंज किशनगढ. शाबाश इंडिया

आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में चल रहे भव्य श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याण महोत्सव के दूसरे दिन आज गर्भ उत्तरार्द्ध पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए कार्यक्रम में आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि आदि पुराण में गर्भ संस्कारों का वर्णन है माता भी गर्भ में ही बच्चों को संस्कारित कर सकती है, आजकल की गर्भवती माता टीवी के सामने बैठकर आमोद-प्रमोद की वस्तुएं देखती है तो उनकी संतानें कैसे संस्कारित होगी,पुराने कथानक अभिमन्यु का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि अभिमन्यु ने माता के गर्भ में ही चक्रव्यू में घुसना तो सीख गया लेकिन माता को नींद आने से वह चक्रव्यू से बाहर निकलने का मार्ग नहीं जान सका। कहने का आशय यह है कि गर्भवती माता के कार्यों और संस्कारों का असर ही बच्चों पर होता है। महोत्सव के दूसरे दिन वर्धमान सभागार में आयोजित प्रवचन सभा में आचार्य श्री ने किसान का उदाहरण देते हुए कहा कि किसान खेत को तैयार कर उसमें बीज बोता है उस बीज की रक्षा करता है और समय-समय पर उसको खाद-पानी आदि देकर फसल तैयार करता है और उसकी मेहनत से ही पेड़ वट वृक्ष बनता है। उन्होंने कहा कि गर्भस्थ शिशु को भी अच्छे संस्कारों से संस्कारित करना चाहिए तभी वह बालक संस्कारवान बनता है,गर्भ कल्याणक के माध्यम से संस्कारों के कारण मोक्ष प्राप्त होता है,। अर्थात जन्म कल्याणक में जो बीजारोपण होता है वह वृक्ष बड़ा होकर मोक्ष लक्ष्मी के रूप में खड़ा होता है ।गर्भवती महिला के अलावा घर में पिता को भी घर का वातावरण शुद्ध रखना चाहिए और विषय व कषाय जीवन को अशांत करती है। माता-पिता दोनों का कर्तव्य है कि गर्भस्थ शिशु को संस्कारित करें अगर तीर्थंकर नहीं बने तो कम से कम मुनि पद के माध्यम से भी सिद्ध पद को प्राप्त किया जा सकता है। यद्यपि मुनि धर्म आसान नहीं है ,किंतु जिन साधुओं को गुरुओं ने संस्कारित किया है वह शिष्य संस्कारों में वृद्धि कर मुनि धर्म का पालन करता है। वर्तमान में गर्भपात के बढ़ते चलन पर आचार्यश्री ने चिंता जताते हुए कहा कि जो लोग संतानों का पूर्व में परीक्षण कराकर गर्भ में लड़की होने पर गर्भपात कराने जैसा महापाप कर देते हैं यह बहुत ही गलत और धर्म के विरुद्ध है क्योंकि पुण्यशाली जीव ही गर्भधारण करते हैं। जो लोग आत्महत्या करते हैं उसकी वजह यही है कि उन्होंने पूर्व में गर्भपात कराया है इसलिए उनका जीवन भी क्षणिक होता है। जीवन में गर्भपात कराने वाले कभी भी लंबा जीवन प्राप्त नहीं कर सकते हैं। आचार्यश्री ने कहा कि जो भव्य प्राणी दर्शन और विशुद्धि का चिंतन करते हैं ,वह जीव तीर्थंकर नाम प्रकृति का बंध करते हैं । सभी तीर्थंकर आदिनाथ भगवान से लेकर महावीर स्वामी तक 24 तीर्थंकरों ने 16 कारण भावना का चिंतन मनन कर तीर्थंकर प्रकृति का बंध किया। आचार्य श्री ने गर्भ के भी कल्याणक होने के बारे में बताते हुए कहा कि बालक जब गर्भ में आता है वह अशुद्ध जगह होती है, किंतु उस जीव ने महापुण्य प्रकृति का बंध कर गर्भ में प्रवेश किया हैं। उस जीव की जन्म से 6 माह पूर्व से अष्ट कुमारी 56 कुमारी माता की सेवा करती है। आचार्य श्री ने कहा कि आज कितनी माताएं परिणामों की शुद्धिपूर्वक गर्भधारण करती है ,गर्भधारण कर जन्म देना आसान बात है किंतु गर्भस्थ शिशु आत्मा के जीव में संस्कारों को परिपूर्ण करना बहुत कठिन कार्य है। वह माता धन्य है जिसने तीर्थंकर बालक को अपने गर्भ में धारण किया हैं। 16 सपने देखना भी विज्ञान है। वात ,पित्त और कफ की बीमारी से दूर रहने वालों के सपने ही फलीभूत होते हैं । आचार्य श्री के उद्बोधन के पूर्व संघस्थ शिष्य मुनिश्री हितेंद्र सागर कहा कि सम्यक दर्शन दो प्रकार का होता है जिसमें गुरु की वाणी का प्रभाव बताया। जिसके हृदय में गुरु के वचन विराजित हो जाते हैं वह पुण्यशाली शिष्य श्रावक होता है। गुरु के वचन अमृतमयी औषधि है जो शिष्य को आपको संसार के दुखों से दूर कर सकते हैं ।

नेताजी सुभाषचंद बोस की जयंती मनाई

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। स्थानीय नेताजी स्कूल परिसर में सुभाषचंद बोस की 126 वी जयंती सोमवार को नगरपालिका की पूर्व अध्यक्ष शारदा मित्तलवाल की अध्यक्षता में मनाई गई। छावनी परिषद के मुख्य अधिशाषी अधिकारी उमेश पारीक इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में मित्तलवाल व पारीक ने नेताजी सुभाषचंद बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर मुक्तिलाल जीनगर, गजानंद शर्मा, विजय कुमार शर्मा, आशा,राजकुमारी, नरेश जैनम, एडवोकेट गोरधनलाल गुर्जर, एडवोकेट राजेश गोमा, एडवोकेट ममता डाबरिया सहित काफी लोग उपस्थित थे।

छात्र-छात्राओं ने निकाला पथ संचलन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । निकटवर्ती ग्राम देराठु स्थित चंद्रनाथ आदर्श विद्या मंदिर व हनुमान चौक स्थित कन्या आदर्श विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने संयुक्त रूप से नगर में पथ संचलन निकाला। जिसमें छात्र-छात्राओं ने कदमताल करते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना प्रकट की। पथ संचलन प्रातः 11 बजे अग्रवाल धर्मशाला से प्रारंभ होकर गांधी चौक, मुख्य बाजार व हनुमान चौक से गुजरता हुआ शहीद स्मारक पर पहुंचकर विसर्जित हुआ। पथ संचलन में विद्यालयों के शिक्षक भी साथ चल रहे थे। पथ संचलन के दौरान अनेकों स्थानों पर विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक संगठनों के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।

गुर्जर राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। अखिल भारतीय गुर्जर देवसेना संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ भैरोंसिंह गुर्जर ने नसीराबाद निवासी रोहित गुर्जर को अखिल भारतीय गुर्जर देवसेना संस्था का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है।